Literacy for a Billion

Movie: Mere Jeevan Saathi
Year: 1972

Song: Apno ko kab
Lyricist: Majrooh Sultanpuri

अपनों को कब है श्याम
अपनों को कब है श्याम
मुख दिखलाओगे
ऐसे में आए ना फिर कब आओगे
बेकल बेकल पंथ निहारे
बेकल बेकल पंथ निहारे
तुमरे दरस में प्यासे तमाम
के दिन से हो गई शाम
आओ कन्हाई मेरे धाम
के दिन से हो गई शाम

इस मन में आ जाओ
नैनों के पट खोल

साँसों में धड़कन में
मोहन तुमरे बोल
तुमको नहीं तो किसको पुकारू
तुमको नहीं तो किसको पुकारू
मुझको तो आवे एक ही नाम
के दिन से हो गई शाम
आओ कन्हाई मेरे धाम
के दिन से हो गई शाम

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.